

# प्राचीन भारत

एक रूपरेखा

डी.एन. झा



मनोहर

## विषय-सूची

17

प्रस्तावना	
अध्याय १ : हड़प्पा-सम्यता	१
प्रागैतिहासिक वृत्तांत—उद्भव और विस्तार— नगर योजना और भवन—आर्थिक आधार— धर्म—पतन	८
अध्याय २ : वैदिक जीवन	१७
आर्यों का आगमन—वेद—प्रारंभिक वैदिक अर्थव्यवस्था और समाज— स्थानबद्ध कृषि का श्रीगणेश—कला-कौशल— वर्ण-व्यवस्था—जनपदीय शासन-तंत्र की कल्पना— उत्तर वैदिक काल का धार्मिक जीवन—उपनिषदें	
अध्याय ३ : जैन धर्म और बौद्ध धर्म	३५
भौतिक परिस्थिति—वर्धमान महावीर— जैन धर्म—गौतम बुद्ध—बौद्ध धर्म— नये धर्मों के सामाजिक आधार	
अध्याय ४ : प्रथम जनपदीय राज्य	४८
महाजनपद—नंदवंश के शासन-काल में मगध का उत्थान—सिकंदर का आक्रमण— शासन के आधार और स्वरूप— 'भोंडी' गणतांत्रिक व्यवस्था	
अध्याय ५ : मौर्य साम्राज्य	६२
मौर्य सम्राट—शासन-व्यवस्था—आर्थिक, सामाजिक और धार्मिक जीवन— अशोक का धम्म—साम्राज्य का पतन	

अध्याय ६ : विदेशी आक्रमण और व्यापार  
शुंग और कण्व—विदेशी आक्रमण—  
भारतीय-यूनानी—कुषाण—कनिष्क—  
सातवाहन—दक्षिण भारत के राज्य—  
कृषि के क्षेत्र में परिवर्तन—भारत और रोम  
के बीच व्यापार—कारिगरोँ के संघ  
(गिल्ड)—सामाजिक बनावट—धार्मिक  
जीवन—कला और वास्तुशिल्प—संस्कृत  
का विकास

५०

अध्याय ७ : स्वर्ण युग की कपोल-कल्पना  
गुप्तवंश के शासक—प्रशासन—सामंती  
संबंधों का उदय—समाज और धर्म—  
कला और वास्तुशिल्प—साहित्य, दर्शन  
और विज्ञान—'स्वर्ण युग' कितना  
'स्वर्णिम' था ?

१०४

ग्रन्थ-सूची  
अनुक्रमणिका

१२५

१३५